Seat No. : _____

DB-119

December-2020

M.A., Sem.-III

502 : Hindi

काव्यशास्त्र (सृजन और सौन्दर्य)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 50**

विभाग - 1

सूचना : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1. आचार्य भरतमुनि के रससूत्र के आधार पर रस के विविध अवययों की सोदाहरण चर्चा कीजिए । **14**
2. आचार्य अभिनव गुप्त के 'अभिव्यक्तिवाद' पर प्रकाश डालिए । **14**
3. सर्जन-प्रक्रिया समझाते हुए 'सहृदय' की अवधारणा स्पष्ट कीजिए । **14**
4. सर्जन-प्रक्रिया के संदर्भ में 'विरेचन' पर विस्तृत चर्चा कीजिए । **14**
5. 'शब्द शक्ति' की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख प्रकारों की चर्चा कीजिए । **14**
6. 'काव्य बिम्ब' के महत्त्व को उदाहरण देकर समझाइए । **14**
7. काव्य भाषा संबंधी वर्ड्सवर्थ के विचारों पर प्रकाश डालिए । **14**
8. कुन्तक का काव्य भाषा संबंधी विवेचन स्पष्ट कीजिए । **14**

विभाग - 2

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए : **8**

(1) संस्कृत काव्यशास्त्रियों ने काव्य का प्राणतत्त्व किसे माना है ?

(A) बिम्ब (B) प्रतीक

(C) रस (D) कल्पना

(2) 'चित्र-तुरंग न्याय' का उदाहरण किस आचार्य ने दिया है ?

(A) आ. शंकुक (B) आ. भट्ट नायक

(C) भट्ट लोल्लट (D) अभिनव गुप्त

(3) 'साधारणीकरण' की प्रथम चर्चा किस आचार्य ने की है ?

(A) आ.कुन्तक (B) अभिनव गुप्त

(C) आ.भरतमुनि (D) आ.भट्ट नायक

(4) 'लोकमंगल' शब्द को विशिष्ट अर्थ देने का श्रेय हिन्दी के किस आचार्य को है ?

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (B) डॉ. नगेन्द्र

(C) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी (D) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(5) गुणों का विवेचन करने वाले सर्वप्रमुख आचार्य कौन हैं ?

(A) आ. मम्मट (B) आ. कुन्तक

(C) आ. वामन (D) आ. भामह

(6) 'काव्यम् शोभाकरान् धर्मान् अलंकारान् प्रचक्षते' – किस आचार्य का काव्य लक्षण है ?

(A) आ.वामन (B) आ.भट्ट नायक

(C) आ.भामह (D) अभिनव गुप्त

(7) कारयित्री और भावयित्री प्रतिभा के ये दो भेद किस विद्वान ने बताये हैं ?

(A) इलियट (B) कॉलरिज

(C) क्रोचे (D) राजशेखर

(8) 'वक्रोक्ति जीवितम्' के रचनाकार कौन हैं ?

(A) आ.कुन्तक (B) आ.रुद्रट

(C) आ.वामन (D) आ.उद्भट्ट